मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने चाइल्ड गाइडेंस एवं काउन्सलिंग में आरसीआई-एक्रिडिटेड एडवांस डिप्लोमा शुरु किया

नई दिल्ली, 14 नवंबर, 2025

बदलते समय और प्रशिक्षित परामर्शदाताओं एवं मार्गदर्शन पेशेवरों की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए, मनोविज्ञान विभाग ने कल भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त, बाल मार्गदर्शन एवं परामर्श में दो सेमेस्टर का उन्नत डिप्लोमा शुरू किया, जिसके अंतर्गत नव प्रवेशित छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

इस पहल को कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ का भरपूर समर्थन और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनकी दूरदर्शिता और प्रोत्साहन ने इस कार्यक्रम को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, साथ ही जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी का भी भरपूर सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनके मार्गदर्शन ने इस पूरी प्रक्रिया में कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ओरिएन्टेशन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए, प्रो. रिज़वी ने कठोर मान्यता प्रक्रिया को पुरा करने और ओरिएन्टेशन कार्यक्रम के आयोजन में विभाग की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि आस्था मानसिक स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण घटक है और कहा कि उच्च शक्तियों में आस्था बनाए रखने से चिंता और तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने विभागाध्यक्ष प्रो. समीना बानो और डिप्लोमा समन्वयक प्रो. शीमा अलीम को उनके समर्पित प्रयासों के लिए बधाई दी और प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. मोहम्मद मुस्लिम खान ने जामिया के समृद्ध इतिहास का एक सुस्पष्ट और भावपूर्ण विवरण प्रस्तुत किया और पाठ्यक्रम की सफलता के लिए विभाग को शुभकामनाएं दीं।

विभागाध्यक्ष प्रो. समीना बानो ने नव प्रवेशित छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने, डिप्लोमा की विभागीय समन्वयक प्रो. शीमा अलीम के साथ, कुलपति और जामिया के रजिस्ट्रार के प्रति उनके अटूट समर्थन के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने मान्यता प्रक्रिया के दौरान उनके सहयोग के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. भारती शर्मा; डॉ. फैजुल्लाह खान और आरसीआई के कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रतीक कुमार के योगदान को भी स्वीकार किया।

प्रो. बानो ने आशा व्यक्त की कि छात्र विश्वविद्यालय और नए कार्यक्रम के योग्य एम्बेसडर के रूप में कार्य करेंगे। प्रो. अलीम ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पाठ्यक्रम भारत के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अपनी तरह का अनूठा है, जिसे न केवल पेशेवर परामर्शदाता तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, बल्कि इस क्षेत्र में पेशेवर मानकों को बनाए रखने में भी मदद करता है।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम में प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें एनआईपीसीसीडी की पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ. वंदना थापर; इग्नू से प्रो. रेखा शर्मा सेन; जेएमआई से प्रो. जुबैर मीनाई; एम्स से डॉ. जागृति सिंह; आर्टेमिस हॉस्पिटल्स के मनोचिकित्सक डॉ. राहुल चंडोक; और सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मासेस (एसपीवाईएम), दिल्ली से प्रो. बिलाल अहमद शामिल थे। उन्होंने बाल विकास,

बाल संरक्षण, विशेष बच्चों की ज़रूरतों, बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य और विकारों, और बच्चों में मादक द्रव्यों के सेवन जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचारोत्तेजक सत्र आयोजित किए। इन सत्रों का नव प्रवेशित छात्रों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया, जिन्होंने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनने पर गर्व व्यक्त किया और विश्वविद्यालय और व्यवसाय दोनों के उत्कृष्टता और नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी